प्रादेशिक समाचार

दिनांक–19.06.2024 (संध्या 1900 बजे)

मुख्य समाचार

- प्रधानमंत्री ने बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के नवनिर्मित परिसर का किया उद्घाटन, कहा–विश्वविद्यालय का कायाकल्प उभरते भारत की क्षमता और ताकत का प्रतीक।
- राज्य में नशाखोरी के खिलाफ शुरु हुआ विशेष अभियान, मुख्यमंत्री ने कहा–प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध।
- गर्मी और लू को देखते हुए राज्य सरकार ने सभी स्कूलों के समय में किया बदलाव, केजी से 12वीं तक की कक्षाएं सुबह सात से साढ़े ग्यारह बजे तक संचालित करने का आदेश।
- डीवीसी के चेयरमैन ने कोडरमा थर्मल पावर प्लांट का किया निरीक्षण, अधिकारियों के साथ की बैठक, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने पर दिया बल।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने में ज्ञान महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। श्री मोदी ने बिहार के राजगीर में आज नालंदा विश्वविद्यालय के नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन करने के बाद सुषमा स्वराज सभागार में छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपनी शिक्षा और ज्ञान प्रणाली को मजबूत कर महाशक्ति का स्थान हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय दुनिया के सामने हमारी पहचान और परंपराओं का एक बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय का नया स्वरूप उभरते भारत की क्षमता और ताकत का प्रतीक है।

****

राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान शुरु किया गया है। 26 जून तक चलने वाले इस अभियान के तहत न सिर्फ इसके प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा बल्कि नशे के कारोबारियो के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। इस सिलसिले में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय से जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने झारखंचड को नशा मुक्त प्रदेश बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी।

****

उधर कोडरमा में उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने नशा मुक्ति जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और सिमडेगा जिले में नशामुक्ति अभियान के तहत उपायुक्त अजय कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार ने संयुक्त रुप से जागरुकता रथ रवाना किया। इस बीच हमारे चतरा संवाददाता ने बताया कि कल चतरा स्थित डीएमएफटी भवन से राज्य के श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता नशामुक्ति जागरुकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। धनबाद, गुमला, गिरिडीह और पलामू समेत सभी जिलों में नशामुक्ति के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जागरुकता रथ रवाना किये गये।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि केंद्र सरकार सिकल सेल रोग से संबंधित चुनौतियों से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक इस्तेमाल कर रही है। आज विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर श्री मोदी ने इस बीमारी पर काबू पाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

****

इस बीच केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम ने कहा है कि सिकल सेल रोग के बारे में सबसे बड़ा भ्रम यह है कि इससे केवल जनजातीय लोग ही प्रभावित होते हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थॉन–एम्स, नई दिल्ली में आज इस रोग के बारे में जागरूकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को इस बीमारी के बारे में जागरूक होना चाहिए क्योंकि यह किसी को भी प्रभावित कर सकती है।

****

रांची के सदर अस्पताल में आज सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और रांची के विधायक सीपी सिंह भी शामिल हुए। मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया को लेकर राज्यभर में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा

है। राज्य में अब तक 10 लाख सतासी हजार 7 सौ 50 लोगों की स्क्रीनिंग करायी गयी है, जिनमें सिर्फ 1 हजार 8 सौ 90 लोगों में ही सिकल सेल एनीमिया पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सिकल सेल कंट्रोल करने में देशभर में झारखंड दूसरे स्थान पर है।

****

राज्य के वित्त मंत्री डॉक्टर रामेश्वर उरांव ने आज ग्रीन लोहरदगा कैंपेन की शुरुआत की। इसके तहत उन्होंने लोहरदगा के बीएस कॉलेज परिसर में पौधे लगाये। मौके पर मौजूद पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू और उपविकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने भी पौधे लगाये।

****

रांची के नगड़ी स्थित केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान आज अपना साठवां स्थापना दिवस मना रहा है। स्थापना दिवस समारोह मे लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा शामिल हुए। उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों की हौसला–अफजाई की। मौके पर श्री मुंडा ने कहा कि झारखंड में तसर और रेशम उद्योग की असीम संभावनाएं हैं।

****

रामगढ़ जिले के किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर करने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। और जानकारी के साथ हमारे संवाददाता–

****

राज्य के सरकारी और गैर सरकारी सहित सभी स्कूलों में केजी से बारहवी तक की कक्षाएं अब सुबह सात बजे से दिन के साढ़े ग्यारह बजे तक संचालित की जायेंगी। इस संबध में आज स्कूली शिक्षा साक्षरता विभाग की ओर से आदेश जारी किया गया है, जिसमें बताया गया है कि राज्य में गर्मी और लू की स्थिति को देखते हुए यह आदेश दिया गया है। यह व्यवस्था अगले आदेश तक लागू रहेगी।

****

डीवीसी के चैयरमैन एस सुरेश कुमार ने आज कोडरमा थर्मल पावर प्लांट का निरीक्षण किया और डीवीसी अधिकारियों के साथ बैठक की। फिलहाल कोडरमा थर्मल पावर प्लांट की दो यूनिट से 500–500 मेगावाट और सोलर प्लांट से 6 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। जल्द ही इस प्लांट में 800–800 मेगावाट की दो यूनिट स्थापित की जाएगी। इसके अलावा तिलैया डैम में पानी के ऊपर फ्लोटिंग पावर प्लांट का भी निर्माण किया जाना है, जिसकी क्षमता 600 मेगावाट होगी। इसके अलावा प्लांट के लिए स्थाई ऐश पौंड का भी निर्माण किया जा रहा है। बैठक के दौरान डीवीसी के चैयरमैन ने अधिकारियों को प्लांट के आसपास के गांवो में सौर ऊर्जा आधारित उपकरण लगाने के लिए लोगों को प्रेरित करने का निर्देश दिया।

**********समाप्त**********